पशुपालन क्षेत्र में भारत की बड़ी छलांग

राष्ट्रीय गोकुल मिशन से 56 मिलियन किसानों को लाभ मिला

हर वर्ष 1.2 अरब से अधिक पशु टीकाकरण खुराकें दी गईं

नई दिल्ली/रोम. केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने कहा है कि भारत का पशुपालन क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में 12.77 प्रतिशत की प्रभावशाली सीएजीआर (CAGR) दर्ज करते हुए देश की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया है.

रोम में खाद्य और कृषि संगठन में %सस्टेनेबल लाइवस्टॉक ट्रांसफॉर्मेशन% पर दूसरी ग्लोबल कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मंत्री ने बताया कि यह क्षेत्र एग्रीकल्चर ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) में 31 प्रतिशत और देश की अर्थव्यवस्था में 5.5 प्रतिशत का योगदान देता है.

दूध और अंडे के उत्पादन में विश्व में अग्रणी- राजीव रंजन सिंह ने भारत की वैश्विक पहचान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, जिसका वार्षिक उत्पादन 239 मिलियन टन है और यह वैश्विक उत्पादन में लगभग एक-चौथाई योगदान देता है. इसके अलावा, भारत अंडों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक भी है.उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुई किसान-केंद्रित पहलों और परिवर्तनों की सराहना करते हुए कहा कि इन कदमों ने खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और आजीविका को मजबूत करने में मदद की है.

गरीबी में कमी और आजीविका समर्थन- मंत्री ने कोरोना महामारी के बाद देश के कल्याणकारी उपायों का उल्लेख करते हुए बताया कि इन प्रयासों से 269 मिलियन लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है. विश्व बैंक की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर अब 5.3 प्रतिशत रह गई है.उन्होंने जोर दिया कि लगभग दो-तिहाई ग्रामीण परिवारों और लाखों छोटे और सीमांत किसानों को स्थायी आजीविका प्रदान करने में पशुधन क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

प्रमुख सरकारी पहल

पशुधन क्षेत्र में भारत द्वारा की गई प्रमुख पहलों की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया-

राष्ट्रीय गोकुल मिशन- इसके माध्यम से देशी मवेशियों की नस्लों का संरक्षण और आनुवंशिक विविधता में सुधार किया जा रहा है, जिससे 92 मिलियन से अधिक पशुओं और 56 मिलियन से अधिक किसानों को लाभ मिला है.

विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम- भारत दुनिया का सबसे बड़ा पशुधन टीकाकरण कार्यक्रम चलाता है, जिसमें प्रमुख बीमारियों से निपटने के लिए हर वर्ष 1.2 अरब से अधिक खुराकें दी जाती हैं. देश अब उच्च गुणवत्ता वाले टीकों के उत्पादन और निर्यात का एक ग्लोबल हब बन गया है.

हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री में जबरदस्त उछाल

जीएसटी कटौती से किफायती सेगमेंट की मांग दोगुनी बढ़ी

नवरात्रि के पहले दिन ग्राहकों की संख्या दोगुनी हुई

नई दिल्ली. त्योहारी सीजन की जोरदार शुरुआत के साथ ही भारतीय दोपहिया बाजार में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है. जीएसटी कटौती से 100 सीसी **और 125 सीसी जैसे किफायती सेगमेंट में पहली बार वाहन खरीदने वाले ग्राहकों का खर्च कम हुआ है, जिससे लोगों का उत्साह अत्यधिक बढ़ गया है.**

देश की सबसे बड़ी दोपहिया निर्माता हीरो मोटोकॉर्प को देश भर में ग्राहकों की जबरदस्त रुचि और बिक्री में उछाल दिख रहा है. कंपनी ने अपने डीलरशिप पर गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है.

तत्काल खरीद में तेज वृद्धि- हीरो मोटोकॉर्प के इंडिया बिजनेस यूनिट के चीफ बिजनेस ऑफिसर आशुतोष वर्मा ने बताया, इस फेस्टिव सीजन का सबसे उल्लेखनीय पहलू तत्काल खरीद में हुई तेज वृद्धि है. नवरात्रि के पहले ही दिन, हमारे शोरूम में ग्राहकों की संख्या पिछले साल की तुलना में दोगुनी से अधिक हो गई.जीएसटी लाभों से प्रेरित ग्राहकों की पूछताछ में तेजी आई है, और शोरूम में ग्राहकों की आवाजाही में 50% से अधिक का उछाल आया है. डिजिटल आकर्षण भी शानदार है, जिसमें ऑनलाइन सर्च लगभग तीन गुना बढ़ी है.

उत्पादन क्षमता में वृद्धि

कंपनी ने 12 सेगमेंट-अग्रणी मॉडलों (जैसे डेस्टिनी 110, ज़ूम 160, ग्लैमर एक्स 125) की फेस्टिव रेंज पेश की है. साथ ही, हीरो मोटोकॉर्प ने पहली बार ग्राहकों के लिए हीरो गुडलाइफ फेस्टिव कैंपेन शुरू किया है, जिसके तहत ग्राहकों को 100% कैशबैक और अन्य लाभ मिल रहे हैं.

भारत फिर बना आईसीएओ परिषद का गर्वित सदस्य

2025-2028 कार्यकाल के लिए भारत की ऐतिहासिक जीत

आईसीएओ परिषद में भारत की दोबारा एंट्री, बढ़ा प्रभाव

नई दिल्ली, 30 सितंबर. भारत ने एक बार फिर अपनी वैश्विक कूटनीतिक क्षमता और उड्डयन क्षेत्र में योगदान को साबित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन की परिषद के लिए दोबारा सदस्यता हासिल की है.

यह चुनाव 27 सितंबर को मॉन्ट्रियल में आयोजित 42वीं आईसीएओ सभा के दौरान संपन्न हुआ, जिसमें भारत को पिछले चुनाव की तुलना में अधिक समर्थन मिला. भारत को 27 सितंबर को मॉन्ट्रियल में हुए आईसीएओ की 42वीं सभा के दौरान परिषद के भाग-2 के लिए पुन: चुना गया है.

यह भाग उन देशों को समर्पित है जो अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के लिए आवश्यक सुविधाओं में उल्लेखनीय योगदान देते हैं. भारत को इस बार 2022 के मुकाबले ज्यादा वोट मिले, जो इसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय प्रभाव और विमानन क्षेत्र में नेतृत्व को दर्शाता है. इस अवसर से पहले, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 2 सितंबर को नयी दिल्ली में एक विशेष स्वागत समारोह का आयोजन किया था, जिसमें मंत्री राममोहन नायडू ने भारत की उम्मीदवारी का समर्थन माँगा था. भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने भी दुनिया भर के सदस्य देशों से लगातार संवाद बनाए रखा, जिससे भारत के प्रति समर्थन को और बल मिला. मंत्रालय के अनुसार, मॉन्ट्रियल में भारत के प्रतिनिधि ने पुनर्निर्वाचन के लिए सक्रियता से प्रचार किया. मंत्री नायडू ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से द्विपक्षीय मुलाकातें कीं और विमानन क्षेत्र के वैश्विक हितधारकों के साथ सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की.

भारत, जो आज दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक है, अब सिर्फ उड़ानों तक सीमित नहीं है. विमान निर्माण, रखरखाव, तकनीकी कौशल और अनुसंधान में भी उसका योगदान बढ़ रहा है. इसी वजह से वैश्विक कंपनियाँ भारत की ओर आकर्षित हो रही हैं. गौरतलब है कि भारत 1944 से ही आईसीएओ का संस्थापक सदस्य रहा है. नीति निर्माण और नियामक ढाँचे में भारत की सक्रिय भागीदारी उसे इस वैश्विक मंच पर एक विश्वसनीय भागीदार बनाती है. आईसीएओ की यह परिषद तीन वर्षों के लिए चुनी जाती है और 193 सदस्य देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय विमानन के मानकों को तय करती है.

एसईसीएल ने पाँचवीं बार अरपा घाट को संवारा

स्वच्छता ही सेवा के तहत 100 कर्मियों ने अरपा नदी तट पर श्रमदान किया

नागपुर, 30 सितंबर. साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए लगातार पाँचवें वर्ष अरपा नदी के छठ घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया. %स्वच्छता ही सेवा - स्वच्छोत्सव 2025% **अभियान के अंतर्गत, गुरुवार को 1 घंटा - 1 दिन - 1 साथ की थीम पर यह सामूहिक श्रमदान आयोजित किया गया.**

इस पहल में एसईसीएल परिवार के लगभग 100 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. अभियान का नेतृत्व सीएमडी हरीश दुहन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया. टीम एसईसीएल ने अरपा नदी तट की गहन सफाई की. स्वयंसेवकों ने घाट परिसर से बड़ी मात्रा में कचरा, प्लास्टिक की बोतलें और अन्य अपशिष्ट एकत्र कर उन्हें बैग्स में भरा. केवल एक घंटे की इस सामूहिक मेहनत ने न केवल घाट के स्वरूप को निखारा, बल्कि स्थानीय निवासियों को भी स्वच्छता के प्रति एक सशक्त संदेश दिया.

इस अवसर पर सीएमडी हरीश दुहन ने कहा, एसईसीएल केवल उत्पादन में ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी में भी अग्रणी है. स्वच्छता अभियान हमें यह सिखाता है कि जब हम सब एक साथ आते हैं तो सकारात्मक बदलाव निश्चित रूप से संभव है.

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर

नई दिल्ली, 30 सितंबर. वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं और विदेशी पूंजी की सतत निकासी के भारी दबाव के बीच भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया. रुपया चार पैसे टूटकर 88.79 (अस्थायी) प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर बंद हुआ.विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये की इस गिरावट का मुख्य कारण बाजार में विदेशी पूंजी की लगातार बिकवाली रही. हालांकि, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट और डॉलर के कमजोर रुख ने स्थानीय मुद्रा को और अधिक बड़ी गिरावट से बचा लिया.

गुरुग्राम में खुला एडवांस पायलट ट्रेनिंग हब

गुरुग्राम, 30 सितंबर. भारतीय विमानन उद्योग में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए, एयर इंडिया ने विमान निर्माता कंपनी एयरबस के साथ मिलकर गुरुग्राम में एक अत्याधुनिक पायलट प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया है. यह केंद्र न केवल पायलटों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाएगा, बल्कि देश को वैश्विक विमानन मानचित्र पर और मजबूत स्थान दिलाने की दिशा में भी एक निर्णायक कदम है.

टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया और फ्रांसीसी विमान निर्माता एयरबस ने मिलकर हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एयर इंडिया एविएशन प्रशिक्षण अकादमी में एक एडवांस्ड पायलट प्रशिक्षण केंद्र की शुरुआत की है. इसका उद्घाटन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने किया, जिसमें एयरबस और एयर इंडिया के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहे. यह केंद्र एक संयुक्त उपक्रम है, जिसमें दोनों कंपनियों की बराबर हिस्सेदारी है. इसका उद्देश्य आगामी 10 वर्षों में 5,000 से अधिक नये पायलटों को प्रशिक्षित करना है.

शेयर बाजार में लगातार गिरावट

मुंबई, 30 सितंबर. विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निकासी और वैश्विक कारकों को लेकर जारी चिंता के कारण घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार आठवें दिन गिरावट रही.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स इन आठ दिनों में 2,746 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 812 अंक टूट चुका है.

सेंसेक्स सुबह बढ़त में था लेकिन बाद में उतार-चढ़ाव से होता हुआ अंतत: 97.32 अंक (0.12 प्रतिशत) नीचे 80,267.62 अंक पर बंद हुआ. निफ्टी-50 भी 23.80 अंक यानी 0.10 फीसदी टूटकर 24,611.10 अंक पर बंद हुआ. दोनों प्रमुख सूचकांक चार सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गये हैं. रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति के बुधवार को जारी होने वाले बयान से पहले सरकारी बैंकों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है. धातु और ऑटो समूहों में भी तेजी रही.

बीआईएस मानकों पर उद्योग के साथ सहयोग जरूरी

नयी दिल्ली, 30 सितंबर. भारत सरकार अब उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर एक निर्णायक कदम उठाने जा रही है. उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने संकेत दिया है कि सरकार स्मार्ट मानकों के व्यापक प्रसार और उनकी लागत को कम करने की दिशा में काम कर रही है. यह पहल न केवल उपभोक्ताओं में विश्वास बहाल करेगी, बल्कि भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में सशक्त बनाएगी.

वेगा और निटप्रो ने किया रक्तदान शिविर

नोएडा, 30 सितंबर. वेगा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और निटप्रो इंटरनेशनल ने संयुक्त रूप से चेयरमैन आर. सी. जैन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया.

चेयरमैन आर. सी. जैन के जन्मदिन पर हुआ आयोजन

कर्मचारियों के उत्साह से दो दिन में 98 यूनिट रक्त एकत्र

यह शिविर 26 सितंबर को निटप्रो परिसर (एनएसईजेड) और 27 सितंबर को वेगा इंडस्ट्रीज के सेक्टर 80, 136, और 155 स्थित विभिन्न परिसरों में आयोजित किया गया.एवीपी - एचआर, सतेंद्र वशिष्ठ ने कहा, यदि आप रक्तदाता हैं, तो आप कहीं न कहीं किसी ऐसे व्यक्ति के हीरो हैं, जिसे जीवन का यह अनमोल उपहार मिला.

समाचार विशेष

केवटी में होती रही राजद-भाजपा में कांटे की टक्कर

इस बार कौन मारेगा

केवटी (दरभंगा). मधुबनी लोकसभा क्षेत्र में आने वाली दरभंगा की केवटी विधानसभा सीट बिहार की राजनीति में हमेशा से अहम मानी जाती रही है. इस सीट का चुनावी इतिहास बताता है कि यहां पर सत्ता परिवर्तन अक्सर कांटे की मुकाबले के बाद होता है.

कभी गुलाम सरवर के नाम से मशहूर रही यह सीट 2005 के बाद राजद और भाजपा के बीच लगातार टकराव का गवाह बनती रही है. 1990 और 1995 में जनता दल और फिर राजद के टिकट पर गुलाम सरवर ने जीत दर्ज कर

अपनी मजबूत पकड़ दिखाई थी. 2000 में भी राजद के खाते में यह सीट गई, लेकिन 2005 का चुनाव इस परंपरा को तोड़ गया, जब भाजपा के डॉ. अशोक कुमार यादव ने गुलाम सरवर को चुनावी समर में मात दी. इसके बाद 2010 तक भाजपा ने इस सीट पर कब्जा बनाए रखा. हालांकि, 2015 में डॉ. फराज फातमी की जीत के साथ राजद ने वापसी की और सियासी समीकरण फिर से बदल गए.

2020 का विधानसभा चुनाव इस सीट के लिए बेहद रोचक रहा. भाजपा ने अपने प्रत्याशी मुरारी मोहन झा के माध्यम से बिहार के पूर्व वित्त मंत्री और राजद के कद्दावर नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी को 5126 मतों से शिकस्त दी. इस चुनाव में डॉ. झा को 76372 मत मिले जबकि सिद्दीकी को 71246 मत हासिल हुए.

खास बात यह रही कि वोट शेयर में भाजपा को 46.75 फीसद और राजद को 43.61 फीसद समर्थन मिला. वहीं तीसरे स्थान पर रहे निर्दलीय प्रत्याशी योगेश रंजन को मात्र 3304 वोट मिले और 2968 मतदाताओं ने नोटा दबाकर अपनी नाराजगी जताई.

विधानसभा सीट का जातीय समीकरण

इस सीट का जातीय समीकरण भी चुनावी नतीजों में बड़ी भूमिका निभाता है. यहां यादव, ब्राह्मण और मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं. रविदास और पासवान समुदाय का मत भी प्रत्याशियों की भाग्य का फैसला तय करता है. केवटी प्रखंड की 26 और सिंहवाड़ा प्रखंड की 12 पंचायतों को मिलाकर बना केवटी विधानसभा क्षेत्र की मतदाताओं की कुल संख्या 3,11,126 है, जिनमें 1,62,083 पुरुष, 1,49,041 महिला और 2 मंगलामुखी मतदाता शामिल हैं. इस तरह, केवटी सीट का इतिहास बताता है कि यहां की सियासत कभी एकतरफा नहीं रही.

बिहार आते ही एक्टिव हुए प्रधान

पटना. बिहार में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव को लेकर तारीखों का एलान होना है. ऐसे में खुद को चुनावी मोड में होने का दावा करने वाली पार्टी भाजपा भी सच में एक्टिव नजर आ रही है.

यही वजह है कि भाजपा ने अपने चुनाव प्रभारी का नाम एलान कर उन्हें बिहार प्रवास पर भेज भी दिया है. इसके बाद अब यह बिहार आकर घर -घर घूमकर पार्टी के नेताओं को लेकर फीडबैक ले रहे हैं. दरअसल,बिहार भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान बिहार आने के बाद काफी एक्टिव नजर आ रहे हैं. बिहार पहुंचने के अगले ही दिन वह राजधानी पटना के गलियों में घूमते हुए नजर आए हैं. प्रधान आज राजधानी पटना के आदर्श चौक, पश्चिमी पटेल नगर में संपर्क अभियान के तहत घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात किया. इस दौरान उन्होंने भाजपा के वर्तमान विधायक को लेकर भी लागों से फीडबैक लिया और उसके साथ ही उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से मिलने वाले लाभ के बारे में भी लागों से उनकी राय जानी. प्रधान का यह डोर-टू-डोर अभियान भाजपा की चुनावी रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है.

15 में से 14 बार यादव प्रत्याशी को मिली जीत

अररिया. अररिया जिले के उत्तरी व पश्चिमी छोर पर बसा नरपतगंज विधानसभा. यादव प्रत्याशियों का अभेद्य दुर्ग. पहले चुनाव के बाद से यहां पर यादव प्रत्याशी ही जीतते रहे हैं, भले ही पार्टी बदल जाए. यादव वोटरों का यहां दबदबा रहा है.

15 विधानसभा चुनाव में 14 बार विभिन्न राजनीतिक दलों के यादव उम्मीदवार को ही जीत मिली है. चुनाव लड़ने वाले नेताओं में होड़ मची है. टिकट को लेकर दावेदारी व शक्ति प्रदर्शन भी तेज हो गया है. यह क्षेत्र नेताओं के लिए कई मायनों में अहम है. यहां की जीत-हार बिहार की राजनीति पर गहरा असर डालती रही है. यहां से कई दिग्गज अपनी किस्मत अजमा चुके हैं. नेपाल व सुपौल सीमा से सटे रहने के चलते सामरिक दृष्टिकोण से भी इसकी पहचान है. बाढ़ यहां की सबसे बड़ी समस्या रही है. जिसका स्थायी निदान आज तक नहीं हो सका है. वोटरों का

मिजाज भी हर बार बदलता रहता है. भले चाहे कोई कुछ बोले, लेकिन हकीकत है कि ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका अंदाजा लगाना बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेष्कों के लिए आसान नहीं रहा है. पिछले कुछ विधानसभा चुनाव में भाजपा व राजद में कांटे की टक्कर रही है. किसी एक दल के विधायक का यहां लगातार कब्जा नहीं रहा है. वोटिंग भी यहां के जनता के मिजाज पर निर्भर है. पिछले तीन साल के विधानसभा चुनाव में वोट शेयरिंग में बड़ा अंतर रहा है. 2020 में भाजपा से जीते जय प्रकाश यादव का वोट शेयरिंग 49.06 फीसदी और राजद से अनिल यादव को मात्र 34.79 फीसदी था, जबकि वर्ष 2015 के विधानसभा में परिणाम सीधे उलट थे.

जब कम उम्र के कारण गंवाई विधायकी

1962 में अस्तित्व में आने के बाद यहां से पहला विधायक डूमरलाल बैठा बने. पहले चुनाव में यह क्षेत्र सुरक्षित था, इसके बाद यह सीट सामान्य हो गई. 1967 के चुनाव में कांग्रेस के ही टिकट पर सत्यनारायण यादव विधायक बने. वे यहां लगातार तीन बार क्रमश- 1967, 1969 व 1972 में कांग्रेस के टिकट पर चुने गये. मंत्री भी बने. इधर, विधायक बनने के बाद डूमरलाल बैठा को लोकसभा का टिकट दिया गया. जो बाद में सांसद भी बने. 1977 में पहली बार 22 वर्ष की उम्र में जनसंघ से चुनाव लड़े जनार्दन यादव ने तत्कालीन मंत्री एवं दिग्गज सत्यनारायण यादव को हराकर राजनीतिक क्षेत्र में भूचाल ला दिया था. हालांकि, हाई कोर्ट में मामला जाने के बाद कम उम्र होने के कारण उन्हें विधायक पद गंवाना पड़ा था. 1980 में भाजपा के टिकट पर जनार्दन यादव ने पुन- इस सीट पर कब्जा जमाया.

विशेष | मुंबई का 'डैडी' अब बीएमसी चुनावों में बिगाड़ेंगे गणित

दाऊद से लड़कर बने 'अंडरवर्ल्ड डॉन

मुंबई. मुंबई में 2017 **के बाद करीब आठ साल के अंतराल के बाद होने जा रहे बीएमसी चुनावों में अंडरवर्ल्ड डॉन और बॉलीवुड के डैडी अरुण गवली की एंट्री को लेकर चर्चा तेज हो गई है. 17 साल की सजा काटकर बाहर आए गवली नागपुर की सेंट्रल जेल से रिहा होने के बाद अब मुंबई स्थित अपने दगड़ी चाल में सक्रिय हो चुके हैं.**

ऐसे में जब सुप्रीम कोर्ट ने 31 जनवरी, 2026 तक चुनाव कराने की डेडलाइन तय कर दी है, तब अरुण गवली को लेकर एक अहम अपडेट सामने आया है. इसमें बताया गया है कि अरुण गवली उर्फ डैडी खुद सक्रिय राजनीति में हिस्सा नहीं लेंगे, लेकिन उनकी दोनों बेटियां पूर्व नगरसेविका गीता और एडवोकेट योगिता चुनाव मैदान में उतरेंगी. अरुण गवली की पार्टी का नाम अखिल भारतीय सेना है.

मुंबई में एक समय भारत के मोस्ट वांटेड अपराधी दाऊद इब्राहिम को टक्कर देने वाले डैडी एक समय शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के करीबी माने जाते थे. दगड़ी चाल और आसपास के इलाकों में अभी भी अरुण गवली का असर दिखाई देता है. यही कारण है कि वे मुंबई के एकमात्र बड़े गैंगस्टर रहे हैं, जिन्होंने विधानसभा तक का सफर तय किया है. डैडी अरुण गवली की दोनों बेटियों के चुनाव लड़ने की चर्चा से राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है. डैडी ने जेल से रिहा होने के बाद हाल ही में गणेशोत्सव में भाग लिया था, जहां उन्होंने अपने पारंपरिक अंदाज़ में हाथ उठाकर समर्थकों का अभिवादन किया.

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चूंकि अरुण गवली अब पूरी सजा काटकर बाहर आ चुके हैं, ऐसे में अगर वे सार्वजनिक रूप से सक्रिय रहते हैं, तो उनकी बेटियों को इसका फायदा मिल सकता है. जिसने दाऊद इब्राहिम से सीधी टक्कर लेकर मुंबई के अंडरवर्ल्ड में अपनी पहचान बनाई, वह अब 17 साल बाद वापसी कर रहे हैं और उन पर फिर से फूल बरसाए जा रहे हैं.

डैडी का क्या है मुंबई प्लान?

जहां एक ओर मुंबई में निकाय चुनावों को लेकर हलचल बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर दगड़ी चाल में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं. डैडी की अखिल भारतीय सेना (एबीएस) ने बीएमसी चुनाव को लेकर रणनीति बनाना शुरू कर दिया है. पूर्व नगरसेविका गीता के नेतृत्व में पार्टी चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है. वहीं, अब अरुण गवली की दूसरी बेटी योगिता भी राजनीति में कदम रखने की मंशा जाहिर कर चुकी हैं. कुछ समय पहले अरुण गवली की भाभी वंदना शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुई थीं. अब चर्चा है कि योगिता बीएमसी के वार्ड संख्या 207 से चुनाव लड़ सकती हैं, जबकि गीता वार्ड 212 से मैदान में उतरने की तैयारी में हैं.